बैडमिंटन

प्रतियोगिता में 10 से 75 वर्ष तक के सदस्यों ने लिया भाग

क्राइस्ट चर्च एलुमनाई बैडमिंटन प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

नवभारत,जबलपुर। क्राइस्ट चर्च एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा रविवार को शर्मा हाउस, नयागाँव में आयोजित वार्षिक बैडमिंटन प्रतियोगिता में 10 से 75 वर्ष आयु वर्ग के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नितिन शर्मा रहे।

एसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार रमिंदर सिंह चोपड़ा एवं सचिव अमित वेगड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष एलुमनाई सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया। विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं में परमिंदर सिंह भाटिया, रोहित खन्ना, समर गायकवाड़, आदित्य जैन, प्रवीण अग्रवाल, पूजा वीरा, मिहित कोचर, युविका जैन, डॉ. हर्ष राय एवं प्रवीण जायसवाल शामिल रहे। उपविजेता के रूप में प्रवेश नवरिया, रोशनी श्रीवास, शगुफ्ता रहमान, डॉ. आदित्य परिहार, अपूर्व सबलोक, रुद्रांश गुलाटी एवं जसविंदर सिंह रहे।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में वरिष्ठ सदस्यों के रूप में डॉ. सुनील बहल, असगी तैयब अली, रंजय मदन, रूपेश बागमार, ज्ञान आहूजा, एडवोकेट गिरीश श्रीवास्तव, शालू खुराना, डॉ. नेहा कोचर, राकेश मित्रा, विनय गाबा, गुरमीत छाबड़ा, जितेन लालन, विवेक गोस्वामी, दीपक वर्मा, अनमोल वधवा, शैलेश गुलाटी, सुनील कोहली, आशीष महावर एवं पुनीत गुलाटी की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन चंद्रेश वीरा ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ताला-पनपथा मार्ग एनएच 10 पर 4 घंटे से लगा जाम

- हाईवा ब्रेकडाउन बना वजह, लापरवाही ने बढ़ाया संकट, पतौर गांव के आगे का मामला

चिल्हारी नवभारत 26 अप्रैल। उमरिया जिले के ताला-पनपथा सड़क मार्ग एनएच-10 पर आज करीब सुबह 8:30 बजे से लगा जाम दोपहर 12:30 बजे तक भी नहीं खुल पाया। एक हाईवा के बीच सड़क खराब होने से शुरू हुई समस्या, सिंगल रोड और अधूरी पटरी के कारण विकराल रूप लेती गई।

सबसे बड़ा सवाल प्रशासनिक उदासीनता पर खड़ा हो रहा है। मौके पर न तो पुलिस की सक्रिय मौजूदगी दिखी, न ही वन विभाग का कोई अमला। नतीजा सैकड़ों की संख्या में फंसे लोग 42 डिग्री की झुलसाती गर्मी में बेहाल रहे। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं पानी के लिए तरसते नजर आए, कई लोग मजबूरी में जंगल की ओर भटकते दिखे और पेड़ों की छांव में बैठकर राहत तलाशते रहे।

पूरा इलाका वन क्षेत्र से सटा हुआ है

स्थिति और चिंताजनक इसलिए भी है, क्योंकि यह पूरा इलाका वन क्षेत्र से सटा हुआ है। ऐसे में जाम में फंसे लोगों का जंगल की ओर जाना, जंगली जानवरों के खतरे को भी बढ़ा रहा है। इसके बावजूद वन विभाग की निष्क्रियता गंभीर सवाल खड़े करती है।

जिम्मेदार महकमा मौके से गायब क्यों रहा?

सबसे बड़ा सवाल यहीं से उठता है कि चार घंटे से ज्यादा समय तक जाम लगा रहा, लेकिन जिम्मेदार महकमा मौके से गायब क्यों रहा? क्या आपात स्थिति से निपटने के लिए कोई पूर्व योजना नहीं? एक सामान्य ब्रेकडाउन ने पूरे सिस्टम की तैयारी की पोल खोल दी। यह सिर्फ चूक नहीं, बल्कि संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

अधिवक्ता निशांत बने राज्य विधिक सलाहकार

नवभारत, जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के अधिवक्ता निशांत मिश्रा को विश्व मानवाधिकार अनुसंधान परिषद द्वारा राज्य कानूनी सलाहकार, अपराध नियंत्रण प्रकोष्ठ के पद पर नियुक्त किया गया है। परिषद ने उनकी योग्यता एवं कार्य अनुभव का विस्तृत विश्लेषण करने के बाद यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

हर घर तक पानी पहुंचे और समय पर मिले : कलेक्टर

नवभारत,दमोह 26 अप्रैल। मेरा मानना हर घर तक पानी पहुंचे, सभी को समान रूप से जल मिले, समय पर मिले, इस तरह की व्यवस्था हमारे नगरवासियों को मिलनी चाहिए। समय-समय पर जब आमजन से चर्चा की, जन प्रतिनिधियों, मीडिया के माध्यम से लगातार ये खबरें आ रही थीं कि लोगों को समय पर पानी नहीं मिल रहा हैं। कोई इसका व्यवस्थित शेड्यूल नहीं है। इसी समस्या को लेकर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा रविवार को नगर पालिका के समस्त पार्षदों, पदाधिकारियों और नगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर यादव ने सभी पार्षदों से उनके वार्ड में जल की समस्या को लेकर चर्चा की। जहां जिस वार्ड में जो समस्या बताई, उनको दुरुस्त करने के लिए एक प्लान किया गया है।

सभी परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लायी जाए : पटेल

- दमोह-पथरिया क्षेत्र की सिंचाई योजनाओं की समीक्षा

नवभारत, दमोह 28 अप्रैल। प्रदेश के पशुपालन व डेयरी विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने दमोह, जटाशंकर स्थित कार्यालय में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के साथ जिले की सिंचाई परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में पंचमनगर, सीतानगर, साजली, जूड़ी व सतधारू परियोजना की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं के कार्यों में तीव्रता लाई जाए तथा किसानों के खेतों तक शीघ्रातिशीघ्र सिंचाई हेतु जल पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। दमोह के किसानों की समृद्धि हमारी प्राथमिकता है, बैठक में चल रही योजनाओं की प्रगति, शेष कार्यों तथा आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।

क्षेत्रों में तेजी से पानी पहुंचाने का कार्य करें

राज्यमंत्री पटेल कहा, पंचमनगर क्षेत्र में पाइपलाइन को सीधे खेतों तक पहुंचाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। माइक्रो-पाइपलाइन के माध्यम से प्रत्येक ढाई एकड़ पर एक जल बिंदु उपलब्ध कराने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में अभी तक पानी नहीं पहुंचा है, वहां कार्य में तेजी लाई जाए।

तेज रफ्तार का कहर, पेड़ से टकराई बाइक, दो दोस्तों की मौत

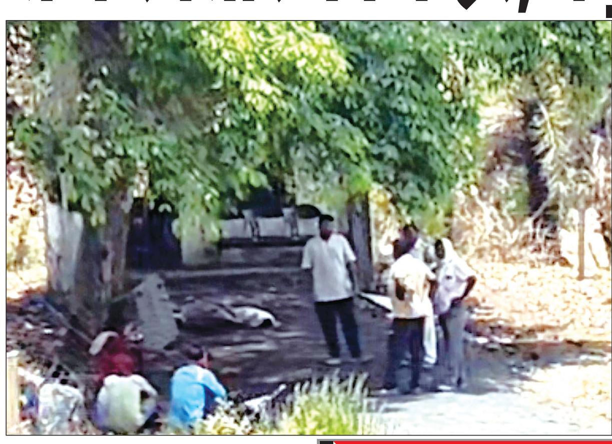

घुघरी, नवभारत। जनपद के घुघरी ब्लॉक में पिछले 24 घंटे काल बनकर टूटे। यहाँ अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की असामयिक मृत्यु हो गई, जिससे समूचे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। एक ओर जहाँ सड़क हादसे ने दो परिवार को उजाड़ दिया, वहीं पुत्र वियोग में एक पिता ने भी दम तोड़ दिया।

जानकारी अनुसार बीती रात मंडला-घुघरी मार्ग पर कटंगी ग्राम के समीप एक भीषण हादसा हुआ। तेज रफ्तार मोटर साइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। भिड़ंत इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बताया गया कि निखिल 18 वर्ष, निवासी अमझर और दिलीप पट्टा 18 वर्ष, निवासी गजराज की मौके पर ही मौत हो गई। इसके साथ ही महेंद्र पंद्रों 20 वर्ष को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल मंडला रेफर किया गया है, जहाँ उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

बताया गया कि दूसरी घटना में पाटन बंसीटोला के पास एक अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे 38 वर्षीय संबल सिंह मरकाम को पीछे से कुचल दिया। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे में संबल सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने सभी प्रकरणों में मर्ग कायम कर लिया है और अज्ञात वाहन की तलाश सहित अन्य मामलों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एक ही दिन में चार पोस्टमार्टम होने से स्वास्थ्य केंद्र और पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा रहा।

बेटे की मौत का सदमा नहीं सह सका पिता

घोरेघाट ग्राम में मानवीय संवेदनाओं को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। 40 वर्षीय प्रेम सिंह ने अपने बेटे की विगत दिवस सड़क हादसे में हुई मौत के गम में कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने बताया कि वे लंबे समय से मानसिक तनाव और अवसाद में थे। जिसके कारण उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया और अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

अस्पताल की बदहाली से मृतक के परिजन परेशान

जब इन मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए घुघरी स्वास्थ्य केंद्र लाए गए, तो वहां की बदतर स्वास्थ्य व्यवस्था उजागर हो गई। स्वास्थ्य केंद्र में स्थाई स्वीपर न होने के कारण शव घंटों तक रखे रहे और स्वीपर का इंतजार करते रहे। अंततः पीड़ित परिजनों को स्वयं के खर्च पर स्वीपर को बुलाकर पोस्टमार्टम की औपचारिकताएं पूरी करानी पड़ीं।

इनका कहना है

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शोक संतप्त परिवारों को अस्पताल में भी भटकना पड़ रहा है। प्रशासन को तुरंत यहाँ स्थाई स्वीपर की नियुक्ति करनी चाहिए।

नीरज मरकाम, प्रदेश उपाध्यक्ष (भाजपा)

हवन सृष्टि संतुलन का है मूल आधार : गोपाल शास्त्री

- बहेरिया में रुद्र महायज्ञ का पंचम दिवस

नवभारत,तेंदूखेड़ा 26 अप्रैल। जनपद क्षेत्र के बहेरिया ग्राम में आयोजित भव्य रुद्र महायज्ञ के पंचम दिवस का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और वैदिक विधि-विधान के साथ हुआ.आज के विशेष अनुष्ठान में अरुणि मंथन के माध्यम से पवित्र अग्नि का प्राकट्य किया गया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

वैदिक मंत्रोच्चार और आचार्यों के निर्देशन में सम्पन्न इस प्रक्रिया ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया. यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि अरुणि मंथन द्वारा उत्पन्न अग्नि को अत्यंत पवित्र और दिव्य माना जाता है, क्योंकि यह परंपरागत विधि से उत्पन्न होकर यज्ञ की शुद्धता और प्रभाव को कई गुना बढ़ाती है.

विधिवत हवन अनुष्ठान का शुभारंभ

अग्नि प्राकट्य के साथ ही आज से विधिवत हवन अनुष्ठान का शुभारंभ हो गया, जिसमें श्रद्धालु आहुतियां देकर अपने जीवन में और देश क्षेत्र में सुख-शांति और समृद्धि की कामना कर रहे हैं. यज्ञाचार्य पंडित गोपाल शास्त्री ने हवन के वैदिक और वैज्ञानिक महत्व पर प्रभावशाली उद्बोधन दिया. उनके ज्ञानपूर्ण विचारों ने श्रद्धालुओं को न केवल धर्म की गहराई से परिचित कराया, बल्कि विज्ञान के दृष्टिकोण से भी हवन की उपयोगिता को समझाया.

हवन एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है

यज्ञाचार्य ने कहा कि वेदों में हवन को सृष्टि के संतुलन और मानव कल्याण का मूल आधार बताया गया है. मंत्रों के उच्चारण के साथ दी जाने वाली आहुतियां वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं, जिससे व्यक्ति, समाज और प्रकृति तीनों को लाभ मिलता है. उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हवन केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जो वायु शुद्धिकरण और स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है.

गुलाबी व सफेद कमल के फूल कर रहे लोगों को आकर्षित

नवभारत,पथरिया। प्रकृति ने हमे बहुत ही खूबसूरत और दिलचस्प चीजे दी है जिन्हें हम नजरअंदाज कर देते है और ज्यादातर लोग व्यस्त जीवन जीते है.. जिससे छोटी-बड़ी अनेकों चीज़े रह जाती है वैसे ही लखरोनी से घोगरी को जाने वाली सड़क पर स्थित धुवा तालाब के किनारे इन दिनों देखा जाए तो पुरेइन के हरे-भरे गोल-गोल पत्तों व उसमें खिले गुलाबी व सफेद कमल फूल हर तरफ सादगी के साथ मनमोहक लगते है एक पल के लिए देखने वालों का ध्यान तालाब की तरफकेंद्रित हो जाता है।

बाघ को नहीं मिल रही जंगल में टेरेटरी लायक जमीन

- गणना में बाघों की संख्या एक हजार पार जाने का अनुमान

चिल्हारी नवभारत 26 अप्रैल। बाघों की बढ़ती संख्या के बीच राज्य में न बाघों के सामने प्राकृतिक रहवास का संकट खड़ा हो गया है। मौजूदा आबादी के अनुरूप बांधवगढ़ नेशनल पार्क सहित कई जंगलों में टेरेटरी लायक जमीन नहीं बची है। प्रत्येक चार साल में होने वाली बाघ गणना की शुरूआत हो चुकी है। अब तक हुई कवायदों से मिले शुरूआती रुझान बाघों की संख्या हजार पार जाने का अनुमान जता रहे है। साल 2022 की गणना में यहां 785 बाघ मिले थे। इसमें 563 बाघ टाइगर रिजर्व में मौजूद हैं और 222 बाघ अभयारण्य एवं टाइगर रिजर्व संरक्षित क्षेत्र से बाहर है।

नेशनल पार्क बाघों के लिए पड़ने लगे छोटे

विशेषज्ञ बताते हैं कि एक वयस्क बाघ औसतन 50 वर्ग किमी का क्षेत्र टेरटरी के लिये चाहिये। इस हिसाब से बांधवगढ़, कान्हा और पेंच नेशनल पार्क बाघ के घनत्व के मुकाबले छोटे पड़ने लगे है।

2027 में आएगी बाघ गणना की रिपोर्ट

बाघ गणना इसी साल 2026 में पूरी होगी। इसके एक साल बाद यानी 2027 में इसका प्रकाशन विश्व बाघ दिवस पर किया जाएगा। काफी अध्ययन व सत्यापन के बाद ही यह अंतिम रिपोर्ट जारी की जाएगी, जो देश में टाइगर स्टेट का दर्जा तय करेगी। मप्र कई वर्षों से शीर्ष पर है।

हादसा

ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ के जंगल की घटना, घायलों को जिला अस्पताल में किया गया भर्ती

हाथी के हमले में महिला की मौत, पति-पुत्र घायल

अनूपपुर, नवभारत 26 अप्रैल। जिला मुख्यालय अनूपपुर से लगभग 8 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ गांव के जंगल में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया।

जंगल में विचरण कर रहे हाथी ने एक परिवार पर हमला कर दिया, जिसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पति और पुत्र घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है।

हाथी ने अचानक किया हमला

जानकारी के अनुसार भोलगढ़ निवासी समयलाल पाव का खेत चटुआ गांव के पास जंगल क्षेत्र में स्थित है। रविवार को परिवार खेत में काम करने गया था। दोपहर करीब 3 बजे परिवार खेत से जंगल के रास्ते वापस भोलगढ़ गांव लौट रहा था। इसी दौरान पगडंडी मार्ग के पास खड़े एक हाथी ने अचानक हमला कर दिया।

हाथी ने प्रेमवती को कुचल दिया

हाथी ने 30 वर्षीय प्रेमवती पाव को कुचल दिया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं महिला के पति 32 वर्षीय राममनोज पाव और 6 वर्षीय पुत्र दीपक पाव को भी हाथी ने उठाकर पटक दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को भोलगढ़ गांव लाकर निजी वाहन से जिला चिकित्सालय अनूपपुर भेजा गया। बताया जा रहा है कि महिला को कुचलने के बाद हाथी काफी देर तक घटनास्थल के आसपास ही खड़ा रहा। ग्रामीणों द्वारा शोर मचाने पर वह जंगल के भीतर दूसरी दिशा में चला गया।

ग्रामीणों से रात में विशेष सतर्कता बरतने की अपील

घटना की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस विभाग और वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे और मृतिका के शव को सुरक्षित कराया। वन विभाग ने भोलगढ़, चटुआ, खांड़ा, पौड़ी, मानपुर, बरबसपुर, सोनटोला सहित हाथी प्रभावित गांवों के ग्रामीणों से रात के समय विशेष सतर्कता बरतने, हाथियों से दूरी बनाए रखने तथा अकेले जंगल की ओर नहीं जाने की अपील की है।